Pappa

Where did you get lost, Pappa?
Still now I can hear it loud and clear
"You are my sweet little daughter
I love you so much."
Even now, in the morning,
I become the little Boni with white frock and blue skirt
Will you please tie my shoelace once again Pappa?
In the rainy days towards the school way
Your craziness to make me wear a raincoat-
I cannot forget it Pappa.
I have never been your obeying daughter;
Used to do the opposite of what you told me to.
You used to get very angry, but used to manage yourself
And look at my face.
Today nobody tells me anymore,
"Why didn't you brush properly after getting up, Boni?"
Can you hear me? Give Boni some Complan
Dear, you must clean your hands and foot after returning from outside
Make it a habit."
Nobody makes me cross the road
Holding my hands today, Pappa!
Nobody has ever understood me like you-
Still today I go to Central Park with Tatai in the evening.
He rides the swing, gets up on the slides,
And I move circling around the tree of Spanish Cherry,
Search around for your touch here and there;
Pappa you know?
I've kept your passport size photo
In my wallet.
I don't have the courage to take it out-
Cannot look at your face:
Will you please come back once beside me?
Sit beside my leg a bit Pappa?
Call me like that once -
"Dear don't bring back your tiffin
You will get sick."

Tell me near the school gate -
"Boni don't run, see you don't get hurt at the chest,
Look in front and walk."
Pappa you know I need to pop a sleeping pill every night
Today will you sing with that melody
Your sweet lullaby ?
"You're my sunshine, my only sunshine.....!"
Pappa - pappa,
Where did you get lost, Pappa?
It's dark all around-
Don't you know I'm afraid of this darkness?
You used to shout during the power cut ,
"Dear, don't move from where you are
I am coming"
It's deep darkness all around today.
Pappa - Pappa ,
For once come back beside me
For once call me like that-
For once will you fix my hair ribbon?
For once the hair ribbon, the eye liner,
For once will you embrace me in your chest?
For once will you call me like that again?
For once I want to feel your touch,
For once I will sit beside your feet-
Pappa - Pappa!

পাপ্পা

কোথায় হারিয়ে গেলে পাপ্পা?
আজও স্পষ্ট শুনতে পাই
"ইউ আর মাই সুইট লিটল ডটার
আই লাভ ইউ সো মাচ্।"
সকাল হলেই আজও আমি
সাদা ফ্রক নীল স্কার্টের ছোট্ট বনি হয়ে যাই,
আর একটিবার জুতোর লেস বেঁধে দেবে পাপ্পা?
বৃষ্টিভেজা দিনগুলোতে স্কুলের পথে
রেনকোট পরানোর জন্য তোমার পাগলামো
ভুলতে পারি না পাপ্পা,
আমি তোমার বাধ্য মেয়ে হইনি কখনো
যা বলতে তার উল্টোটা করতাম
খুব রেগে যেতে তুমি, তবু সামলে
নিয়ে আমার মুখের দিকে তাকিয়ে থাকতে।
আজ আর কেউ বলে না
"ঘুম থেকে উঠে ভালো করে ব্রাশ করো না কেন বনি?
শুনছো বনিকে কমপ্ল্যান দাও,
সোনা মা বাইরে থেকে এসে হাত পা ক্লিন করতে হয়,
মেক ইট এ হ্যাবিট।"
আজ আর কেউ হাতটা ধরে
রাস্তা পার করায় না পাপ্পা,
তোমার মতো আর কেউ কক্ষনো বোঝেনি আমায়।
আজও সন্ধ্যে হলে তাতাইকে নিয়ে সেন্ট্রাল পার্কে যাই
ও দোলনা চড়ে, স্লিপে চড়ে
আর আমি বকুল গাছের পাশে
গোল গোল হয়ে ঘুরি
হাতড়ে ফিরি তোমার ছোঁয়া এদিক ওদিক।
পাপ্পা জানো?
তোমার পাসপোর্ট সাইজ ফটোটা আমি
নিয়ে বেড়াই আমার পার্সে,
সাহস করে বের করি না,
তাকাতে পারি না তোমার মুখের দিকে।
আজ একটিবার আসবে ফিরে আমার পাশে?

পায়ের পাশে একটুক্ষণ বসবো পাপ্পা
একটিবার ডাকবে আমায় অমন করে —
"সোনা মা টিফিন ফেরত আনিস না
শরীর খারাপ করবে।"
স্কুলের গেটে বলবে আমায় —
"বনি ডোন্ট রান, বুকে টুকে না লাগে,
সামনের দিকে তাকিয়ে হেঁটো"
পাপ্পা জানো আমাকে রোজ স্লিপিং পিল খেতে হয়
আজ একবার মিষ্টি সুরে গাইবে তোমার
সেই ঘুমপাড়ানি গান?
"এই তো হেথায় কুঞ্জছায়ায় স্বপ্ন-মধুর মোহে ....।
পাপ্পা — পাপ্পা
কোথায় হারিয়ে গেলে পাপ্পা
চারিদিকে শুধু অন্ধকার
তুমি জানো না এই অন্ধকারে আমি ভয় পাই?
লোডশেডিং হলেই তো তুমি চেঁচিয়ে উঠতে
"সোনা মা যেখানে আছো নড়বে না,
আই এম কামিং"
আজ চারিদিকে ঘন অন্ধকার,
পাপ্পা — পাপ্পা
একটিবার এসো ফিরে আমার পাশে
একটিবার ডাকো আমায় অমন করে
একটিবার বাঁধবে আমার জুতোর ফিতে?
একটিবার চুলের ফিতে, চোখের কাজল
একটিবার নেবে আমায় বুকের কাছে?
একটিবার ডাকবে আবার অমন করে?
একটিবার দেখবো ছুঁয়ে তোমার পরশ
একটিবার বসবো তোমার পায়ের পাশে
পাপ্পা — পাপ্পা
কোথায় হারিয়ে গেলে — পাপ্পা ?

पापा

पापा,कहाँ खो गए हो ?

आज भी साफ़ सुनाई देती है यह आवाज़,

"यू आर माय स्वीट लिट्ट्ले डॉटर

आई लव यू सो मच। "

सुबह होते ही आज भी मैं,

सफ़ेद फ्रॉक और नील स्कर्ट पहनी छोटी सी,

बोनी बन जाती हूँ।

पापा,और एकबार जूते का लेस बाँध दो न ?

बारिश के दिनों में स्कूल जाते वक्त,

मुझे रेनकोट पहनाने के लिए आपकी बेचैनी,

आज भी भूल न पायी पापा।

मैं कभी भी आपकी अच्छी बेटी नहीं बन पायी,जो कहते थे,उसी का ठीक उल्टा काम करती थी।

बहुत नाराज़ हो जाते थे,फिर भी सँभालते हुए मेरी ओर तकते रहते थे।

आज कोई भी नहीं कहता,

"बोनी,नींद से जागकर ठीक से ब्रश क्यों नहीं करती ?"

"सुनती हो, बोनी को कम्प्लेन दो,"

प्यारी बिटिया !बाहर से आकर हाथ पैर क्लीन करना चाहिए। मेक इट अ हॉबिट।

आज कोई भी हाथ पकड़कर,

सड़क पार नहीं कराता ,पापा।

आपकी तरह किसी ने भी मुझे नहीं समझा।

आज भी शाम होते ही तातायी को लेकर सेंट्रल पार्क में जाती हूँ।

वह झूला झूलता है,स्लिप पर चढ़ता है,

और मैं बकुल के पेड़ के पास गोल गोल घूमती हूँ।

आपकी छुअन का एहसास करती फिरती हूँ,इधर से उधर।

पापा,जानते हो ?

तुम्हारी पासपोर्ट साइज की तस्वीर,मैं पर्स में लेकर घूमती हूँ।

पर निकालने का साहस नहीं होता,तुम्हारे चेहरे की ओर देख नहीं सकती।

आज और एकबार आएँगे पापा,मेरे पास ?

पैरों के पास कुछ देर बैठूँगी ,पापा

एकबार कहेंगे मुझसे फिर से,

"प्यारी बिटिया!टिफ़िन मत वापस लाना।

तवियत ख़राब हो जाएगी।"

स्कूल गेट के पास बोलेंगे फिर से,

"बोनी डोंट रन।"

चोट लग जाएगी।

सामने देखकर चलो। "

पापा जानते हो मुझे रोज़ स्लीपंग पिल खाना पड़ता है।

आज और एकबार मीठे स्वरों में सुनाएंगे मुझे वही लोरी ?

"आओ तुम्हे चाँद पे ले जाए!"

पापा-पापा?

कहाँ खो गए हो ?

चारों तरफ सिर्फ अंधेरा

आप तो जानते हैं मैं अँधेरे से डरती हूँ।

लोडशेडिंग होते ही तुम चिल्लाते थे,

"प्यारी बिटिया। जहाँ हो वही रहो ,हिलो मत। आई ऍम कमिंग। "

आज चारों तरफ घनघोर अंधेरा है। पापा-पापा

एकबार तो मेरे पास लौटकर आइए।

एकबार मुझे वैसे ही पुकारिए ।

एकबार बाधेंगे मेरे जूते की रस्सियों को।

एकबार बाल के फीतों को,आँखों के काजल को,
एकबार मुझे सीने से लगाएंगे ?
एकबार मुझे पुकारेंगे वैसे ही ?
एकबार महसूस करूंगी आपकी छुअन को,
एकबार बैठूंगी आपके पैरों के पास,
पापा -पापा ?
कहा खो गए हो पापा?